ONLYIAS
BY PHYSICS WALLAH

MONTHLY CURRENT WALLAH

मासिक समसामयिकी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पर केंद्रित

नवंबर 2025

निंबध प्रतियोगिता

- एथिक्स विशेष खंड
- CSAT अभ्यास प्रश्न
- महत्त्वपूर्ण शब्दावली
- केस स्टडी

COP30
BRASIL
AMAZÔNIA
BELÉM 2025

विषय सूची

1. भारतीय कला एवं संस्कृति 1-8

- वंदे मातरम् के 150 वर्ष
- औपनिवेशिक मानसिकता को समाप्त करना

प्रारंभिक परीक्षा

- बिरसा मुंडा
- विजयनगर कालीन स्वर्ण मुद्राएँ
- आर्य समाज के 150 वर्ष
- लखनऊ: क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी
- **संक्षेप में समाचार**

2. समाज और सामाजिक न्याय 9-19

- महिलाओं के खिलाफ हिंसा: एक वैश्विक और राष्ट्रीय संकट
- डेनमार्क में बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध
- विद्यालयी शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा तक

प्रारंभिक परीक्षा

- केरल: चरम गरीबी से मुक्त
- फंक्शनल फूड्स एवं स्मार्ट प्रोटीन्स
- अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ
- एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस 2.0 पर राष्ट्रीय कार्य योजना
- एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय
- द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2025 रिपोर्ट

3. भूगोल एवं आपदा प्रबंधन 20-24

- स्टेट ऑफ द क्रायोस्फीयर, 2025 रिपोर्ट 20

प्रारंभिक परीक्षा

- अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन
- फुजीवारा अंतःक्रिया
- हैली गुब्बी ज्वालामुखी
- **संक्षेप में समाचार**

4. राजव्यवस्था और शासन 24-42

- आवारा कुत्तों के संकट पर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश
- भारत में अधीनस्थ न्यायपालिका
- डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) नियम, 2025
- चार श्रम संहिताएँ

प्रारंभिक परीक्षा

- राष्ट्रपति के 14 प्रश्नों पर सर्वोच्च न्यायालय के उत्तर
- क्रिप्टोकरेंसी एक 'संपत्ति' के रूप में
- वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार
- पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी
- अधिकरण सुधार अधिनियम, 2021
- भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश
- इंडिया AI गवर्नेंस गाइडलाइन्स
- भारत NCAP 2.0
- असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025
- राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC)
- **संक्षेप में समाचार**

5. अंतरराष्ट्रीय संबंध 43-57

- 20वाँ G-20 शिखर सम्मेलन, 2025
- ब्रिक्स पे: SWIFT का एक विकल्प
- भारत भूटान संबंध 48
- भारत-इजरायल संबंध
- भारत-अमेरिका 10-वर्षीय रक्षा साझेदारी ढाँचा

प्रारंभिक परीक्षा

- एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) शिखर सम्मेलन
- गाजा शांति योजना
- GAVI-यूनिसेफ समझौता
- भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि
- **संक्षेप में समाचार**

6. भारतीय अर्थव्यवस्था 58-66

- अनुसंधान और नवाचार में भारत की नया कीर्तिमान
- भारत की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता
- EEZ में मत्स्यपालन के सतत् दोहन के नियम

प्रारंभिक परीक्षा

- इंडिया स्किल्स रिपोर्ट, 2026
- समुद्री मत्स्यपालन गणना (MFC) 2025
- मसौदा बीज विधेयक, 2025
- राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण
- **संक्षेप में समाचार**

7. पर्यावरण और जैव विविधता 67-90

- UNFCCC COP30-बेलेम, ब्राजील
- पेरिस समझौते के 10 वर्ष
- भारत के वन संरक्षण प्रयास
- बाघ अभयारण्यों से वनवासियों का स्थानांतरण
- आकांक्षी ब्लॉकों में जल बजटिंग पर नीति आयोग की रिपोर्ट

COP30: बेलेम पैकेज एवं प्रमुख परिणाम

- जलवायु परिवर्तन पर सूचना अखंडता पर घोषणा
- भारत ने COP-30 में जलवायु वित्त मंच का शुभारंभ किया
- बेलेम हेल्थ एक्शन प्लान
- 'फूड वेस्ट ब्रेकथ्रू'
- ब्लू NDC चैलेंज
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) लघु द्वीप विकासशील राज्य (SIDS) प्लेटफॉर्म

प्रारंभिक परीक्षा

- वन अधिनियम, 1980
- गोगाबील झील
- मृदा में जैविक कार्बन
- पारा आधारित दंत अमलगम को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना
- हाई सीज ट्रीटी
- जलवायु असमानता रिपोर्ट, 2025
- **संक्षेप में समाचार**

8. विज्ञान और प्रौद्योगिकी 91-109

- वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट, 2025

प्रारंभिक परीक्षा

- क्वांटम-सुरक्षित संचार नेटवर्क
- भारत की क्वांटम सिक्योरिटी चिप और CAR-T सेल थेरेपी
- यूनेस्को का न्यूरोटेक्नोलॉजी विनियमन
- टाइफाइड कंजुगेट वैक्सीन
- ग्लोबल एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस सर्विलांस रिपोर्ट, 2025
- "बिरसा 101" थेरेपी
- 'सिग्मा चक्र'
- राइसिन (Ricin)
- नासा का ESCAPADE मिशन
- CE20 क्रायोजेनिक इंजन
- CMS-03 (जीसैट-7R)
- ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS) स्पूफिंग98
- अल्फवेन वेव्स
- 3I/ATLAS
- थोरियम मोल्टन सॉल्ट रिएक्टर (TMSR)
- वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी
- जिंक-आयन बैटरियाँ (ZIBs)
- नियोडिमियम
- **संक्षेप में समाचार**

9. आंतरिक सुरक्षा 110-116

- 'ह्वाइट कॉलर टेररिज्म'
- वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्द्धा और भारत के लिए इसके निहितार्थ

प्रारंभिक परीक्षा

- तेजस लड़ाकू विमान
- भारत-अमेरिका रक्षा सौदा
- **संक्षेप में समाचार**
- **समाचारों में अभ्यास**

10. एथिक्स 117-121

- कमलेसन मामला और उसके निहितार्थ
- हितों का टकराव

11. महत्त्वपूर्ण शब्दावली 122-123

12. समाचारों में व्यक्तित्व / दिवस / स्थान 124-135

- समाचारों में व्यक्तित्व
- समाचारों में योजनाएँ
- रिपोर्ट और सूचकांक
- महत्त्वपूर्ण दिवस और विषय
- समाचारों में खेल
- समाचारों में पुरस्कार
- विविध

13. सामान्य अध्ययन-IV (केस स्टडी) 136-140

14. CSAT : अभ्यास प्रश्न 141-147

15. अभ्यास प्रश्न 148-152

1 भारतीय इतिहास और कला एवं संस्कृति

वंदे मातरम् के 150 वर्ष

संदर्भ

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने **"वंदे मातरम्"** के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष भर संचालित होने वाले समारोहों का शुभारंभ किया।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ का उत्सव

भारत सरकार इस अवसर को **चार चरणों** में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर मनाएगी, जिससे वंदे मातरम् के प्रति **सामूहिक राष्ट्र प्रेम को स्थापित** किया जा सके।

वंदे मातरम् के बारे में

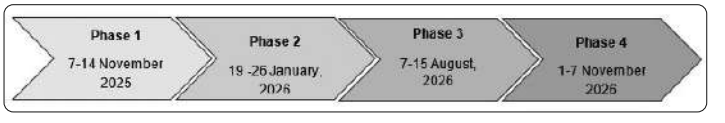

- **संदर्भ:** वंदे मातरम् भारत का राष्ट्रीय गीत है, जो राष्ट्रीय गान **"जन गण मन"** के समकक्ष है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अत्यधिक **ऐतिहासिक, सांस्कृतिक** और **भावनात्मक** महत्त्व रखता है।
- **अर्थ:** "वंदे मातरम्" का अर्थ है **'माँ, मैं तेरी वंदना करता हूँ'** जो मातृभूमि के प्रति **श्रद्धा और भक्ति** का प्रतीक है।
- **भाषा और शैली:** संस्कृतनिष्ठ बंगला में रचित यह गीत **भक्ति (आध्यात्मिकता)** और **देशभक्ति (राष्ट्रवाद)** का अद्भुत संगम है।
- **प्रकाशन:** यह गीत पहली बार 7 **नवंबर, 1875** को **बंगदर्शन पत्रिका** में प्रकाशित हुआ और बाद में **आनंदमठ (वर्ष 1882)** उपन्यास में शामिल किया गया।
- **संगीतबद्धता: रबींद्रनाथ ठाकुर** ने इसे संगीतबद्ध किया, जिससे यह **राष्ट्रीय चेतना का मधुर गान** बन गया।
- **चित्रात्मकता: "सुजलाम्, सुफलाम्, मलयजशीतलाम्"** जैसी पंक्तियाँ भारत की **पवित्र भौगोलिक और सांस्कृतिक पहचान** का प्रतीक हैं।

स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् की भूमिका और योगदान

- **राष्ट्रीय जागरण का गीत:** वंदे मातरम्, जिसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में लिखा, एक **भक्तिपरक स्रोत से राष्ट्रीय स्वतंत्रता** के आह्वान में परिवर्तित हो गया। इसने भारत माता के आदर्श को मूर्त रूप दिया, जिससे **भारतीयों में भावनात्मक एकता और सामूहिक राष्ट्रभाव** का उदय हुआ।
- **स्वदेशी और बंगाल-विभाजन विरोधी आंदोलन का उत्प्रेरक:** यह गीत वर्ष 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन का मुख्य नारा बन गया।
- **सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का सूत्र:** वंदे मातरम् ने **वर्ग, जाति और क्षेत्रीय भेदभाव** को पार करते हुए लोगों को एक सूत्र में बाँधा। इसने **भक्ति (आध्यात्मिक प्रेम) और देशभक्ति (राष्ट्रीय कर्तव्य)** को जोड़कर एक नैतिक राष्ट्रवाद का निर्माण किया।
  - वर्ष 1905 में **बंदे मातरम् संप्रदाय की स्थापना और प्रभात फेरियों** तथा बरिशाल सम्मेलन (वर्ष 1906) जैसे आयोजनों ने इसे राष्ट्रवादी अनुष्ठान के रूप में स्थापित किया।
- **वैचारिक और बौद्धिक प्रभाव: श्री अरविंदो और बिपिन चंद्र पाल** जैसे नेताओं ने इस गीत को विरोध के नारे से दर्शन के स्तर तक पहुँचाया। उन्होंने **बंदे मातरम् नामक समाचार-पत्र (वर्ष 1906)** के माध्यम से इसे **"राष्ट्रीय पुनर्जागरण का मंत्र"** कहा, जहाँ स्वतंत्रता को नैतिक जागरण और आत्मबोध से जोड़ा गया। इस प्रकार, इस गीत ने भारत के प्रारंभिक राष्ट्रवादी विचार की वैचारिक नींव रखी।

- **औपनिवेशिक दमन के विरुद्ध प्रतिरोध:** ब्रिटिश प्रशासन ने वंदे मातरम् को **"राजनीतिक रूप से भड़काऊ"** मानते हुए इसे विद्यालयों और सभाओं में गाने पर प्रतिबंध लगा दिया।
- **क्षेत्रीय प्रतिध्वनि:** इसका प्रभाव केवल बंगाल तक सीमित नहीं रहा। वर्ष 1938 में **गुलबर्गा (हैदराबाद राज्य)** में वंदे मातरम् आंदोलन चला, जिसने निजाम के प्रतिबंधों की अवहेलना की और देशी रियासतों में युवाओं के नेतृत्व में प्रतिरोध का प्रतीक बना।
- **वैश्विक प्रतिध्वनि-सीमाओं से परे गीत का प्रभाव**
  - **वर्ष 1909: मदनलाल ढींगरा** ने लंदन में फाँसी से ठीक पहले **'बंदे मातरम्'** का उद्घोष किया, जो **बलिदान और निडरता** का प्रतीक बन गया।
    - ✓ उसी वर्ष, **पेरिस और जिनेवा में** भारतीय क्रांतिकारियों ने **बंदे मातरम् पत्रिका** शुरू की ताकि स्वतंत्रता का संदेश वैश्विक स्तर पर विस्तृत हो।
  - **वर्ष 1912: गोपालकृष्ण गोखले का केपटाउन (दक्षिण अफ्रीका)** आगमन **'वंदे मातरम्'** के नारों के साथ हुआ, जिसने **प्रवासी भारतीयों की मातृभूमि से भावनात्मक एकता को** प्रकट किया।

विवाद और संक्षिप्तीकरण (वर्ष 1937)

- **पृष्ठभूमि:** 1930 के दशक के अंत तक **वंदे मातरम् एक राष्ट्रीय भजन और साथ ही विवाद का विषय** बन चुका था।
  - गीत के कुछ बाद के पदों में **माँ दुर्गा जैसी देवी-संवेदनाएँ** होने के कारण, यह गैर-हिंदू समुदायों के बीच असहजता का कारण बना।
- **कांग्रेस समिति का निर्णय:** वर्ष 1937 में **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** के अधिवेशन में इस विषय पर गंभीर बहस हुई। इसके लिए एक विशेष समिति गठित की गई, जिसमें **रबींद्रनाथ टैगोर, जवाहरलाल नेहरू** और **सुभाषचंद्र बोस** शामिल थे। समिति ने सिफारिश की कि केवल पहले दो पद, जो धार्मिक संदर्भों से मुक्त और मातृभूमि की सामान्य वंदना हैं, को ही औपचारिक अवसरों पर गाया जाए।
- **उद्देश्य और व्यावहारिकता:** इस निर्णय का उद्देश्य समावेशिता बनाए रखना और मुस्लिम लीग के साथ संवाद स्थापित करना था, ताकि **वंदे मातरम् विभाजन नहीं, एकता का प्रतीक** बना रहे।
- **आलोचना और असहमति:** कुछ नेताओं विशेषकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने इस निर्णय की आलोचना की और कहा कि इससे **गीत की आध्यात्मिक अखंडता** कमजोर होती है। उनके अनुसार, इस **"संक्षिप्तीकरण"** ने गीत की भावनात्मक एकता को खंडित किया और यह धर्म, राष्ट्रवाद तथा राजनीति के जटिल संतुलन का प्रतीक बन गया।

सांप्रदायिक विवाद और गांधी की मध्यस्थता

- **सांप्रदायिक विरोध:** 20वीं सदी के प्रारंभ में मुस्लिम लीग के **कुछ नेताओं ने वंदे मातरम्** का विरोध किया, क्योंकि इसमें **हिंदू देवी-देवता** का उल्लेख था। मुहम्मद अली जिन्ना ने इसे सांस्कृतिक बहिष्कार का उदाहरण बताया।
- **गांधी का समन्वय प्रयास:** महात्मा गांधी ने इसके समावेशी सार की रक्षा की और वर्ष 1939 में हरिजन पत्रिका में लिखा **"मुझे कभी यह विचार नहीं आया कि यह हिंदू गीत है; यह तो हिंदू और मुसलमान दोनों के लिए समान रूप से एक शक्तिशाली युद्धघोष था।"**

निष्कर्ष

वंदे मातरम् भारतीय राष्ट्रवाद की आत्मा है, जिसमें भक्ति, एकता और शक्ति का मिश्रण है। भारत अपनी 150वीं वर्षगाँठ मना रहा है; यह सेवा, सद्भाव और सृजनशीलता के माध्यम से मातृभूमि का सम्मान करने का एक उत्सव, श्रद्धांजलि और आह्वान तीनों है।

➢ अभ्यास प्रश्न

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में 'वंदे मातरम' की भूमिका और योगदान पर चर्चा कीजिए। इसके 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, यह गीत आज भी राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक पहचान और नागरिक चेतना के लिए क्या महत्त्व रखता है?

औपनिवेशिक मानसिकता को समाप्त करना

संदर्भ

प्रधानमंत्री ने **वर्ष 1835 में मैकाले के शैक्षिक सुधारों से उत्पन्न** तथा लगभग दो सदियों में संस्थागत, सांस्कृतिक और ज्ञान-आधारित संरचनाओं के माध्यम से सुदृढ़ हुई **"औपनिवेशिक मानसिकता"** को समाप्त करने हेतु दस वर्षीय राष्ट्रीय संकल्प का आह्वान किया।

भारत में औपनिवेशिक मानसिकता के तत्त्व

- **भाषायी प्रभुत्व और पदानुक्रम**
  - **अंग्रेजी-केंद्रित शिक्षा:** मैकाले के वर्ष 1835 के कार्यवृत्त ने **प्रशासन तथा शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी को** लागू किया।
  - **न्यायपालिका, कुलीन शिक्षा जगत, कॉरपोरेट नेतृत्व और सिविल सेवाओं** में अंग्रेजी का प्रभुत्व है।

- **सांस्कृतिक अवमूल्यन और सभ्यतागत असुरक्षा**
  - **आंतरिक हीनता:** औपनिवेशिक शिक्षा ने यह धारणा स्थापित की कि **पश्चिमी संस्कृति को प्रगति के पर्याय** के रूप में देखा जाए, जबकि **भारतीय परंपराओं को पिछड़ेपन से** जोड़ा जाए।
  - **विरासत की उपेक्षा:** कई **मंदिरों, किलों और स्मारकों को सांस्कृतिक-आर्थिक संपत्ति** के स्थान पर अवशेष माना जाता है। **उदाहरण के लिए:** गुजरात, राजस्थान और दिल्ली में ऐतिहासिक बावड़ियाँ (जैसे, नवीनीकरण से पूर्व अग्रसेन की बावली) वास्तुशिल्पीय महत्त्व के बावजूद दशकों तक उपेक्षित रहीं।
- **औपनिवेशिक संरचनाओं में निहित कानून और संस्थाएँ**
  - **औपनिवेशिक कानूनी आधार (ऐतिहासिक):** भारतीय दंड संहिता (IPC) 1860, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (औपनिवेशिक मूल का ढाँचा), साक्ष्य अधिनियम, 1872 ने **150 से अधिक वर्षों तक पुलिस व्यवस्था और न्याय** को आकार दिया।
  - **नौकरशाही में औपनिवेशिक लोकाचार: पदानुक्रमित, आदेश-नियंत्रण दृष्टिकोण और नागरिक-केंद्रित सेवा अभिविन्यास का अभाव।**
  - **पुलिस संस्कृति:** नियंत्रण, दबाव और अभिलेख-संचालन पर बल, सामुदायिक सेवा का प्राथमिक केंद्र नहीं।
- **आर्थिक और विकास कल्पना**
  - **पश्चिम-केंद्रित विकास मापदंड: GDP, शहरी आधुनिकता और औद्योगीकरण** की पश्चिमी अवधारणाओं के माध्यम से विकास का अवलोकन।
  - **उपभोग-आधारित पश्चिमी अनुकरण:** पश्चिमी उपभोक्ता संस्कृति द्वारा आकारित आकांक्षात्मक जीवनशैली के रुझान। **उदाहरण के लिए:** 1990 के दशक से शहरी भारत में पश्चिमी **फास्ट-फूड शृंखलाओं (मैकडॉनल्ड्स, KFC, डोमिनोज)** का तेजी से विस्तार हुआ है, जो युवाओं के लिए आकांक्षात्मक जीवन शैली के प्रतीक बन गए हैं, और प्रायः स्थानीय **स्ट्रीट फूड तथा पारंपरिक भोजनालयों** का स्थान ग्रहण कर रहे हैं।
- **ज्ञान प्रणालियाँ और ज्ञानमीमांसीय उपनिवेशवाद**
  - **स्वदेशी ज्ञान का दमन: आयुर्वेद, शास्त्रीय गणित, खगोल विज्ञान, न्याय तर्कशास्त्र, राजनीतिक सिद्धांत (अर्थशास्त्र)** की।
  - **पश्चिमी मान्यता पूर्वाग्रह:** पश्चिमी पत्रिकाओं और सैद्धांतिक ढाँचों के आधार पर शोध की गुणवत्ता का आकलन।
- **सामाजिक आकांक्षाएँ और संस्थागत संस्कृति**
  - **आयातित विचारधाराएँ:** वाम-दक्षिणपंथी द्विआधारी, यूरोपीय राजनीतिक दर्शन भारतीय विमर्श पर प्रभावी हैं। **उदाहरण के लिए:** भारतीय राजनीति में **"वाम बनाम दक्षिणपंथ" पर बहस**, गांधी, अंबेडकर या अरबिंदो द्वारा वर्णित धर्म-अधर्म, लोकसंग्रह, सर्वोदय, न्याय या समुदाय-केंद्रित शासन जैसी स्वदेशी श्रेणियों के स्थान पर **पश्चिमी वैचारिक दृष्टिकोण** को प्रतिबिंबित करती है।
  - **अंग्रेजी का अभिजात्यीकरण:** अंग्रेजी बोलने वाले अभिजात वर्ग **शिक्षा जगत, न्यायपालिका, नौकरशाही और मीडिया** को आकार देते हैं। **उदाहरण के लिए:** सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय और कार्यवाही मुख्यतः अंग्रेजी में होती हैं, जिससे **अंग्रेजी में शिक्षित वकीलों का व्यावहारिक एकाधिकार स्थापित हो जाता है और आम नागरिकों की सीधी पहुँच** सीमित हो जाती है।
- **संवैधानिक और अधिकार-आधारित औपनिवेशिक मानसिकता**
  - **बलपूर्वक प्रावधानों का प्रतिधारण:** राजद्रोह जैसे **प्रावधान, निवारक निरोध, औपनिवेशिक पुलिस व्यवस्था। उदाहरण के लिए: राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) जैसे निवारक निरोध कानून,** राज्य के पूर्व-नियंत्रित नियंत्रण के औपनिवेशिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं।
  - **प्रक्रियात्मक जटिलता: कानूनी भाषा और न्यायालयीन प्रक्रियाएँ** आम नागरिकों के लिए दुर्गम हैं।

10-वर्षीय राष्ट्रीय संकल्प (2025–2035)

औपनिवेशिक हीन भावना को समाप्त करना
उन गहरी सोच को दूर करना, जो शिक्षा, गवर्नेंस, संस्कृति और जीवनचर्या में पश्चिमी मॉडल को बेहतर मानती हैं।

सभ्यता-संबंधी आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना
भारत की विरासत, भाषाओं और सांस्कृतिक ज्ञान पर गर्व को प्रोत्साहित करना।

स्वदेशी ज्ञान प्रणाली (IKS) का पुनरुत्थान
भारत के शास्त्र विज्ञान, दर्शन, कला, गणित तथा चिकित्सा परंपराओं को मुख्यधारा की शिक्षा और अनुसंधान में समुचित रूप से एकीकृत करना।

एक आत्मनिर्भर वहनीय मॉडल का निर्माण करना
PLI, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्वदेशी विनिर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण को मजबूत करना ताकि विदेशी मूल्य शृंखला पर निर्भरता कम हो सके।

गवर्नेंस और राजनीति को नई दिशा देना
चुनाव-केंद्रित दृष्टिकोण को कार्य-आधारित शासन में रूपांतरित करना, जिसे प्रधानमंत्री ने 'इमोशन मोड 24×7' कहा है, अर्थात् नागरिक-प्रथम सार्वजनिक सेवा की सतत् प्रतिबद्धता।

शिक्षा पर मैकाले का कार्यवृत्त (1835)

मुख्य प्रावधान

- इसमें पारंपरिक संस्कृत–अरबी शिक्षा के स्थान पर अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को अधिक उपयुक्त विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया।
- इसका प्रसिद्ध व्यक्तव्य है, 'एक अच्छी यूरोपियन लाइब्रेरी की एक शेल्फ भारत और अरब के पूरे देसी साहित्य के बराबर है'।
- उद्देश्य: ऐसे लोगों का एक समूह तैयार करना, जो 'खून और रंग में भारतीय हों, लेकिन पसंद, राय, नैतिकता और समझ में ब्रिटिश हों।'
- भारतीय संस्थानों से अंग्रेजी संस्थानों को धन का स्थानांतरण किया गया।

दीर्घावधि प्रभाव

- पारंपरिक ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र का ह्रास।
- अंग्रेजी-भाषी अभिजात वर्ग का गठन।
- सांस्कृतिक हीन भावना और पश्चिमी मान्यता पर संज्ञानात्मक निर्भरता।

सुधारात्मक उपाय

- **कानूनी और संस्थागत सुधार**
  - **नए आपराधिक कानून (1 जुलाई, 2024 से):** भारतीय न्याय संहिता (BNS) जो IPC का स्थान लेती है।
    - ✓ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) जो CrPC का स्थान लेती है।
    - ✓ **भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA)** जो साक्ष्य अधिनियम का स्थान ग्रहण करता है।
- **शैक्षिक और भाषायी सुधार**
  - **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) 2023:** मातृभाषा आधारित आधारभूत शिक्षा और बहुभाषावाद।
- **सांस्कृतिक पुनरुत्थान और विरासत-आधारित विकास**
  - **विरासत परियोजनाएँ:** काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक कॉरिडोर (उज्जैन), हैदराबाद के कुतुब शाही मकबरों तथा लद्दाख स्थित जास्कर मठ।
  - **भारतीय कलाओं और प्रणालियों का पुनरुद्धार: शास्त्रीय कलाओं, संस्कृत संस्थानों, आयुर्वेद और योग अनुसंधान** को बढ़ावा देना।
  - **योग अनुसंधान एवं आयुर्वेद को बढावा: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (संयुक्त राष्ट्र),** नए योग प्रमाणन बोर्ड और आयुष एवं एम्स के सहयोग से **मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवन शैली संबंधी बीमारियों के लिए योग पर** वैज्ञानिक अध्ययन, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), एकीकृत चिकित्सा केंद्रों की स्थापना।
  - **प्रतीकात्मक उपाय:** नए संसद भवन में **'सेंगोल' की स्थापना**, राजपथ का नाम बदलकर **कर्तव्य पथ करना**।
- **आर्थिक पुनर्विन्यास**
  - **PLI योजनाएँ:** घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, विमानन, फार्मा, वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देना।
  - **आत्मनिर्भर भारत:** आयात पर निर्भरता कम करना; घरेलू नवाचार को मजबूत करना।
  - **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना: भारत स्टैक (यूपीआई, आधार, डिजिलॉकर, ONDC) को** वैश्विक मॉडल के रूप में निर्यात किया गया।

आगे की राह: संज्ञानात्मक विऔपनिवेशीकरण

- **भाषायी उपनिवेशवाद का उन्मूलन करना**
  - **भारतीय भाषाओं को सभी क्षेत्रों में अंग्रेजी के समकक्ष स्थापित करना: स्थानीय भाषा में संचालित अदालतों, प्रशासनिक आदेशों और संसदीय कार्यवाहियों** का विस्तार करना। भारतीय भाषाओं में **उच्च-गुणवत्ता वाली STEM और चिकित्सा सामग्री** का विस्तार करना।
- **भारतीय ज्ञान प्रणालियों का पुनरुद्धार करना**
  - **पाठ्यक्रम-स्तरीय एकीकरण:** उच्च शिक्षा में **भारतीय तर्कशास्त्र, खगोल विज्ञान, राजनीतिक चिंतन, पारिस्थितिकी और गणित** को शामिल करना।
  - **संस्थागत अनुसंधान:** भारतीय ज्ञानमीमांसा, आयुर्वेद, योग, प्रदर्शन कला और संस्कृत के लिए वैश्विक केंद्र स्थापित करना।
- **कानूनी एवं प्रशासनिक संस्कृति में परिवर्तन**
  - **कानूनों में परिवर्तन:** पुलिस व्यवस्था की प्रकृति को **"नियंत्रण बल"** से स्थांतरित कर **"सेवा संस्थान"** में बदलना। कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाना; कानूनी सहायता का विस्तार करना; स्थानीय भाषा में पहुँच सुनिश्चित करना।
  - **नागरिक-केंद्रित नौकरशाही:** गोपनीयता/प्राधिकार से **पारदर्शिता, डिजिटल सेवा वितरण और सहभागी शासन की ओर** परिवर्तन।
- **व्यावहारिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तन**
  - **पश्चिम को श्रेष्ठ मानने वाली मानसिकता का परित्याग:** स्वदेशी उपलब्धियों पर केंद्रित जन-अभियान तथा शिक्षा के माध्यम से आत्मविश्वासपूर्ण राष्ट्रीय दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना।
  - **संतुलित वैश्वीकरण का प्रोत्साहन:** विश्वव्यापी ज्ञान और विचारों के प्रति खुलापन बनाए रखते हुए नीति-निर्माण तथा सामाजिक विकास को भारतीय सांस्कृतिक-वैचारिक आधार पर स्थिर रखना।
- **आर्थिक और रणनीतिक उपनिवेशवाद का उन्मूलन**
  - **नवाचार-आधारित आत्मनिर्भरता: रक्षा, विमानन, डीप-टेक, जैव प्रौद्योगिकी** में स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास।
  - **वैश्विक मूल्य शृंखला में सुधार की भूमिका:** असेंबली से डिजाइन-आधारित मूल्य सृजन की ओर बढ़ना।
  - **संप्रभु प्रौद्योगिकी स्टैक:** स्वदेशी चिप डिजाइन, क्लाउड सेवाएँ, एआई प्लेटफॉर्म।

निष्कर्ष

संज्ञानात्मक विऔपनिवेशीकरण विश्व को अस्वीकार नहीं करता है, बल्कि यह भारत का अपनी भाषा, विरासत, ज्ञान प्रणालियों और लोकतांत्रिक आत्मविश्वास के आधार पर विश्व के साथ जुड़ने का प्रयास है।

➢ अभ्यास प्रश्न

विश्लेषण कीजिए कि मैकाले के भारतीय शिक्षा पर कार्यवृत्त (1835) ने भारत में 'औपनिवेशिक मानसिकता' को किस प्रकार मजबूत किया। इस संदर्भ में, इस विरासत को समाप्त करने के लिए वर्ष 2025 में प्रस्तावित 10-वर्षीय राष्ट्रीय प्रतिज्ञा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। इस तरह का उपनिवेशवाद-विरोधी अभियान समकालीन भारतीय समाज और शिक्षा प्रणाली के लिए किस प्रकार की चुनौतियाँ और अवसर प्रस्तुत करता है?

प्रारंभिक परीक्षा

बिरसा मुंडा

संदर्भ

15 नवंबर को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में **जनजातीय गौरव दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

सबंधित तथ्य

- जनजातीय कार्य मंत्रालय ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विभिन्न जनजातीय आंदोलनों और विद्रोहों को स्मरण करने तथा उनकी संस्कृतियों और इतिहास को बढ़ावा देने के लिए 11 संग्रहालय स्थापित कर रहा है।
- जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जन्म के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2024-25 को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा के बारे में

- **जन्म:** उनका जन्म **वर्ष 1875 में खूंटी की मुंडारी रियासत के उलिहातु गाँव** में हुआ था और वे ऐसे समय में पले-बढ़े जब मुंडा लोग ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और हिंदू जमींदारों द्वारा बढ़ते शोषण और विस्थापन का सामना कर रहे थे।
- **एक मुंडा नेता:** बिरसा मुंडा एक आदिवासी नेता और धार्मिक सुधारक थे, जो छोटानागपुर, जो वर्तमान झारखंड और ओडिशा का एक क्षेत्र है, की मुंडा जनजाति से थे।
- **'बिरसाइत धर्म' की स्थापना:** जीववाद और स्वदेशी मान्यताओं का मिश्रण, जिसमें एक ही ईश्वर की पूजा पर जोर दिया गया।
  - उन्हें **'धरती आबा'** या **'पृथ्वी का पिता'** उपनाम दिया गया।
- **महत्त्वपूर्ण आंदोलन**
  - **मुंडाई धर्म:** 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, बिरसा मुंडा ने एक नए धार्मिक आंदोलन की स्थापना की, जिसे **'मुंडाई धर्म'** या **'किसानवाद'** या **'बिरसाइत धर्म'** के रूप में जाना जाता है।
  - **उद्देश्य:** पारंपरिक मुंडा रीति-रिवाजों और मान्यताओं को पुनर्जीवित करना और मुंडा लोगों को उनके उत्पीड़कों के विरुद्ध एकजुट करना।
  - **महत्त्व:** बिरसा की शिक्षाओं ने आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और उत्पीड़न के विरुद्ध प्रतिरोध के महत्त्व पर बल दिया।
  - **उपदेश:** उन्होंने उपदेश दिया कि मुंडा लोगों को अपने पारंपरिक मूल्यों की ओर लौटना चाहिए और ब्रिटिश उपनिवेशवाद और मिशनरियों, दोनों के प्रभाव को अस्वीकार करना चाहिए।
  - **महान विद्रोह आंदोलन: बिरसा का आंदोलन, उलगुलान या महान विद्रोह, बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) के छोटानागपुर क्षेत्र** में उत्पन्न हुआ।
  - इसने **मुंडा और उराँव आदिवासियों** को जबरन मजदूरी, मिशनरी गतिविधियों और औपनिवेशिक भूमि अधिग्रहण के खिलाफ संगठित किया।

पूर्व उद्घाटित चार संग्रहालय

- शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
- भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, राँची (झारखंड)
- बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- राजा शंकर शाह एवं कुँवर रघुनाथ शाह संग्रहालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश)

- **मृत्यु:** अंग्रेजों ने वर्ष 1895 में बिरसा को गिरफ्तार कर लिया और वर्ष 1900 में जेल में ही उनकी मृत्यु हो गई।
  - मुंडा विद्रोह का प्रभाव वर्ष 1908 में **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम** की स्थापना के रूप में सामने आया।
    - ✓ इसने आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासी स्वामियों को हस्तांतरित करने पर प्रतिबंध लगा दिया और आदिवासी समुदाय के **भूमि, जल और जंगल पर प्रथागत अधिकारों** को मान्यता दी।
  - इस अधिनियम द्वारा **'मुंडारी खुँटकट्टीदार'** काश्तकारी श्रेणी की शुरुआत हुई, जिसने मुंडाओं के बीच भूमि के मूल निवासियों को मान्यता दी।

सम्मान

- झारखंड राज्य की स्थापना 15 नवंबर, 2000 (उनकी जयंती) को हुई थी।
- केंद्र सरकार ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस (2021) घोषित किया है।

विजयनगर कालीन स्वर्ण मुद्राएँ

संदर्भ

तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले के **कोविलूर ग्राम स्थित उत्तर चोल कालीन शिव मंदिर** के पुनरुद्धार कार्य के दौरान विजयनगर कालीन लगभग 100 से अधिक स्वर्ण मुद्राएँ प्राप्त हुई हैं।

विजयनगर साम्राज्य के बारे में

- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना वर्ष 1336 ईसवी में तुंगभद्रा नदी (वर्तमान हंपी, कर्नाटक) के तट पर हरिहर प्रथम और बुक्का राय प्रथम द्वारा संत विद्यारणय के मार्गदर्शन में की गई।
- इस साम्राज्य की राजधानी विजयनगर ("विजय का नगर") मध्यकालीन भारत का सबसे समृद्ध और सुदृढ़ नगर बना।

खोज का विवरण

- स्वर्ण मुद्राओं की विशेषताएँ
  - **औसत आकार:** लगभग 5 मिलीमीटर व्यास।
  - **आकृति:** गोलाकार (संगम कालीन चतुर्भुज आकार के सिक्कों से भिन्न)।
  - **प्रतीक:** कुछ सिक्कों पर वराह का प्रतीक अंकित है, जो विजयनगर साम्राज्य का राजचिह्न था और भगवान विष्णु के वराह अवतार का प्रतीक माना जाता है।
- **अनुमानित काल:** ये सिक्के संभवतः **विजयनगर काल (14वीं–16वीं शताब्दी ईसवी) से** संबंधित हैं, जब कृष्णदेवराय और उनके उत्तराधिकारियों ने मंदिर स्थापत्य का पुनरुत्थान किया तथा मंदिरों को स्वर्ण एवं मूल्यवान वस्तुओं से संपन्न किया।
- **मुद्राओं के निक्षेपण का उद्देश्य:** पुरातत्त्वविदों के अनुसार, सिक्कों को मंदिर के गर्भगृह के नीचे दो प्रमुख कारणों से रखा जाता था—
  - **धार्मिक अर्पण:** देवताओं को **समृद्धि और क्षेत्रीय सुरक्षा की कामना से** स्वर्ण मुद्राएँ अर्पित की जाती थीं।
  - **आर्थिक उपयोग:** धातु की मुद्राएँ (विशेषकर ताँबे और चाँदी की) स्थायी होने और गलन-प्रतिरोधकता के कारण लेन-देन हेतु भी प्रयुक्त होती थीं।

आर्य समाज के 150 वर्ष

संदर्भ

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में **आर्य समाज** की **150वीं वर्षगाँठ** और **महर्षि दयानंद सरस्वती** की **200वीं जयंती** के अवसर पर भारतीयता और वैदिक मूल्यों के प्रचार के लिए आर्य समाज की प्रशंसा की।

आर्य समाज के बारे में

- **स्थापना:** इसकी स्थापना **स्वामी दयानंद सरस्वती** द्वारा **1875 में बंबई** में की गई थी।
- **मुख्य सिद्धांत:** ये सिद्धांत **एकेश्वरवाद, तर्कशीलता, और सार्वभौमिक मानवतावाद** को प्रतिबिंबित करते हैं, जो समाज की गतिविधियों की **नैतिक आधार का निर्माण** करते हैं। जैसे-
  - **ईश्वर सभी सच्चे ज्ञान का स्रोत है।**
  - **वेद सच्चे ज्ञान के ग्रंथ हैं।**
  - **धर्म (सत्कर्म) को आचरण का मार्गदर्शक होना चाहिए।**
  - **संसार के भौतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना चाहिए।**
  - **सामूहिक हित को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर रखना चाहिए।**
- **सामाजिक और शैक्षिक कार्य**
  - **सर्वसामान्य शिक्षा, महिला उत्थान और समानता** को प्रोत्साहित किया।
  - **दयानंद एंग्लो वैदिक (DAV) कॉलेज**, लाहौर (वर्ष 1886) की स्थापना की।
  - **गुरुकुल कांगड़ी (वर्ष 1902)** हरिद्वार के पास तथा **कन्या महाविद्यालय (वर्ष 1896)** जालंधर में स्थापित किया।
  - **विचारधारात्मक विभाजन (1890 दशक)**
    - ✓ **कॉलेज पार्टी: लाला हंसराज और लाला लाजपत राय-** अंग्रेजी आधारित आधुनिक शिक्षा के पक्षधर थे।
    - ✓ **महात्मा/गुरुकुल पार्टी: स्वामी श्रद्धानंद-** पारंपरिक वैदिक शिक्षा पर बल दिया।
  - **शुद्धि आंदोलन:** इस आंदोलन का उद्देश्य अन्य धर्मों को अपनाने वाले हिंदुओं को पुनः हिंदू धर्म में वापस लाना तथा **हिंदू एकता को सुदृढ़ करना** था।

स्वामी दयानंद सरस्वती के बारे में

- **प्रारंभिक जीवन**
  - **जन्म:** वर्ष 1824 में मूलशंकर के नामक रूप में **मोरवी (गुजरात)** में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ।
  - उन्होंने वर्ष **1845–60 के बीच सत्य की खोज में संन्यास** लिया और बाद में स्वामी **विरजानंद के अधीन मथुरा में** अध्ययन किया।
- **दर्शन और विचारधारा**
  - उन्होंने नारा दिया **"वेदों की ओर लौटो"** अर्थात् वैदिक शिक्षा और शुद्धता का पुनर्जागरण, न कि वैदिक युग की पुनर्स्थापना।
  - उन्होंने वेदों को **अचूक और हिंदू धर्म की सच्ची नींव** माना।
  - वे **तर्कसंगत, नैतिक और एकेश्वरवादी धर्म** के समर्थक थे। उन्होंने **वर्गहीन, जातिविहीन और विदेशी शासन से मुक्त भारत** का समर्थन किया।
  - उन्होंने **मूर्ति पूजा, बहुदेववाद, पुरोहितवाद** और **अंधविश्वास** का विरोध किया। उन्होंने **पुराणों, मूर्तिपूजा, अंधविश्वास और पुरोहितीय रूढ़िवादिता** को अस्वीकार किया।
- **प्रमुख कृति: 'सत्यार्थ प्रकाश'** जिसमें उनके सामाजिक और धार्मिक विचारों का विस्तृत वर्णन है।
- **सामाजिक सुधार के विचार**
  - उन्होंने **जातिगत कठोरता, अस्पृश्यता, मूर्ति पूजा, बाल विवाह** और **पशु बलि** की निंदा की।
  - उन्होंने **स्त्री-पुरुष समानता, विधवा पुनर्विवाह** और **अंतरजातीय विवाहों** का समर्थन किया।
  - उन्होंने **चातुर्वर्ण्य** को कर्म और योग्यता पर आधारित माना, जन्म पर नहीं।
  - उन्होंने **शिक्षा, नैतिकता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण** पर विशेष बल दिया।

लखनऊ: क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी

संदर्भ

समरकंद (उज्बेकिस्तान) में यूनेस्को के 43वें महाधिवेशन में लखनऊ को **"यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी"** का दर्जा दिया गया, जो **70 वैश्विक पाक-कला शहरों** में शामिल हो गया।

- इस उपलब्धि के साथ, **लखनऊ भारत का दूसरा शहर** बन गया है **(पहला – हैदराबाद)**, जिसे यह सम्मान प्राप्त हुआ।

लखनऊ की पाक विरासत एवं पर्यटन

स्वरूप: लखनऊ को **अवधी व्यंजन** के लिए जाना जाता है, जहाँ **नवाबी रसोई, टुंडे कबाब, बिरयानी, कोरमा**, और **गंगा–जमुनी तहजीब** का संगम देखने को मिलता है।

यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी

- **परिभाषा:** यह **यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN)** के अंतर्गत प्रदान किया जाने वाला एक सम्मान है, जो उन शहरों को मान्यता देता है, जो **रचनात्मकता** को **सतत् शहरी विकास** का प्रमुख आधार बनाते हैं विशेषकर **खाद्य कला और पाक संस्कृति** के क्षेत्र में।

- **कानूनी/संस्थागत आधार:** इस नेटवर्क की स्थापना वर्ष **2004 में यूनेस्को** द्वारा की गई थी ताकि वे शहर जो संस्कृति और रचनात्मकता को **सतत् विकास का साधन** मानते हैं, उनके बीच **अंतरराष्ट्रीय सहयोग** को बढ़ावा दिया जा सके।
- **चयन मानदंड एवं प्रक्रिया**
  - शहर को समृद्ध **पाक विरासत, पाक कला में नवाचार और स्थायित्व प्रथाओं** को प्रदर्शित करना होगा।
  - **नामांकन → राष्ट्रीय चयन (संस्कृति मंत्रालय, भारत) → यूनेस्को मूल्यांकन → जनरल असेंबली में अनुमोदन।**

'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी' सूची में शामिल भारतीय शहरों की सूची

जयपुर (शिल्प एवं लोककला), **वाराणसी** (संगीत), **चेन्नई** (संगीत), **मुंबई** (फिल्म), **हैदराबाद** [गैस्ट्रोनॉमी (पाक कला)], **श्रीनगर** (शिल्प एवं लोककला), **कोझिकोड** (साहित्य), **ग्वालियर** (संगीत), **लखनऊ** [गैस्ट्रोनॉमी (पाक कला)]।

संक्षेप में समाचार

'आमार सोनार बांग्ला'

भारत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष का उत्सव मना रहा है, परंतु '**आमार सोनार बांग्ला**' के वर्ष 2025 में **120 वर्ष पूरे होने** पर इसे पर्याप्त सम्मान न मिलने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है।

'आमार सोनार बांग्ला' के बारे में

- '**आमार सोनार बांग्ला**' एक **देशभक्ति गीत** है जो **मातृभूमि के प्रति गहरी प्रेम भावना** व्यक्त करता है।
  - यह बंगाल को **एक पोषक और स्नेहमयी माता** के रूप में चित्रित करता है और **एकता, भक्ति, और उत्पीड़न के विरुद्ध दृढ़ता** का प्रतीक है।
- **रचनाकार:** यह गीत **रबींद्रनाथ टैगोर** द्वारा वर्ष **1905 में स्वदेशी आंदोलन** के दौरान लिखा और संगीतबद्ध किया गया था। यह गीत **लॉर्ड कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन** की घोषणा के विरोध में एक सांस्कृतिक और भावनात्मक प्रतिक्रिया थी।
- **ऐतिहासिक महत्त्व:** 'आमार सोनार बांग्ला' ने **बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय** की '**वंदे मातरम**' में व्यक्त राष्ट्रवादी दृष्टि को आगे बढ़ाया, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को भावनात्मक शक्ति प्रदान की।
- **वर्तमान संदर्भ: वर्ष 1971 में,** बांग्लादेश की स्वतंत्रता के पश्चात, '**आमार सोनार बांग्ला' को बांग्लादेश के राष्ट्रीय गान** के रूप में अपनाया गया। वर्तमान में यह **भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक एवं भावनात्मक आत्मीयता** का प्रतीक बना हुआ है।

'**वंदे मातरम्**' और '**आमार सोनार बांग्ला**' मातृभूमि की एक समान कल्पना को साझा करते हैं जो **स्नेह, त्याग और गौरव** से भरी हुई है और इसलिए **समान सम्मान** और **समझ** के पात्र हैं।

बालीयात्रा उत्सव

हाल ही में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के ऐतिहासिक बालीयात्रा उत्सव की शुभकामनाएँ दीं।

बाली यात्रा के बारे में

- यह एक ऐसा उत्सव है जो ओडिशा और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों, विशेषकर बाली के मध्य समुद्री व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का स्मरण कराता है।
- **अर्थ:** बाली यात्रा शब्द का शाब्दिक अर्थ है '**बाली की यात्रा**'।
- प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा उस दिन को चिह्नित करती है जब समुद्री व्यापारी इंडोनेशियाई द्वीपों के लिए रवाना होते थे।
- **विशेषताएँ:** भव्य मेले, भव्य सवारी, भोजन और नृत्य। भारतीय महिलाएँ 'बोइता बंदना' करती हैं। वे कागज या केले के पत्ते (शोलापीठ) से जलते हुए दीपकों वाली नावें बनाती हैं और उत्सव के एक भाग के रूप में उन्हें महानदी में प्रवाहित करती हैं।
- **महत्त्व:** बाली यात्रा उन कुशल नाविकों की प्रतिभा और कौशल का उत्सव है जिन्होंने कलिंग को अपने समय के सबसे समृद्ध साम्राज्यों में से एक बनाया।

संगाई महोत्सव

आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (IDP) द्वारा अपने घर वापसी के अधिकार की माँग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच ही मणिपुर में संगाई महोत्सव शुरू हो गया है।

संगाई महोत्सव के बारे में

- यह मणिपुर का एक वार्षिक 10-दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव है।
- इसका आयोजन मुख्य रूप से पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और इसकी समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया जाता है।
- इसका नाम राजकीय पशु, संगाई, जो केवल मणिपुर में पाया जाने वाला भूरे सींग वाला हिरण (केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान) के नाम पर रखा गया है।
- **केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान** मणिपुर की लोकटक झील में स्थित है और यह दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है।

15 अभ्यास प्रश्न

1. विजयनगर कालीन स्वर्ण मुद्राओं की हालिया खोज के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये स्वर्ण मुद्राएँ कर्नाटक में भगवान शिव के मंदिर के गर्भगृह के नीचे मिली हैं।
2. ये मुद्राएँ वृत्ताकार हैं, जबकि संगम युग की मुद्राएँ प्रायः चतुर्भुजाकार थीं।
3. कुछ मुद्राओं पर वराह का चिह्न है, जो भगवान विष्णु के वराह अवतार का प्रतीक है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही नहीं हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. क्रिप्टोकरेंसी पर हालिया न्यायालय निर्णय के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. न्यायालय ने क्रिप्टोकरेंसी को भारतीय कानून के अंतर्गत स्वामित्व, अंतरण और न्यास (Trust) योग्य संपत्ति के रूप में मान्यता दी।
2. आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत क्रिप्टोकरेंसी को आभासी डिजिटल परिसंपत्ति (VDA) के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उस पर कर लगाया जाता है।
3. भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रिप्टोकरेंसी को भारत में वैध मुद्रा घोषित किया है, जो भारतीय रुपया के समकक्ष है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

3. वर्ष 2025 तक BRICS सदस्य देशों के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. मिस्र 2. इंडोनेशिया
3. संयुक्त अरब अमीरात (UAE) 4. ईरान
5. थाईलैंड 6. इथियोपिया

उपर्युक्त में से कौन-से देश BRICS के पूर्ण सदस्य हैं?

(a) 1, 2, 3 और 5 (b) 1, 3, 4 और 6
(c) 2, 4, 5 और 6 (d) 1, 2, 3, 4 और 6

4. अनुसंधान, विकास और नवाचार (RDI) योजना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय इस योजना को लागू करने वाला नोडल मंत्रालय है।
2. यह योजना भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।
3. केवल सरकारी संस्थान और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ही इस योजना के तहत निधि प्राप्त करने के पात्र हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

5. हाल ही में समाचारों में देखे गए 3I/ATLAS को निम्नलिखित में से किस रूप में सबसे उपयुक्त रूप से वर्णित किया जा सकता है?

(a) एक दीर्घ-अवधि वाला धूमकेतु है, जो ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है।
(b) एक लघु-अवधि वाला धूमकेतु है, जो बृहस्पति और मंगल के बीच परिक्रमा करता है।
(c) एक अंतरतारकीय धूमकेतु है, जो सौरमंडल से केवल एक बार होकर गुजर रहा है।
(d) एक काइपर बेल्ट (Kuiper Belt) से संबंधित क्षुद्रग्रह है, जो वर्तमान में सूर्य की परिक्रमा कर रहा है।

6. भारत की हालिया ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्धि के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत ने अपनी COP26 प्रतिबद्धता अर्थात् अपनी कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य, निर्धारित समय से पाँच वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया है।
2. वर्ष 2025 तक, भारत के नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में सौर ऊर्जा का योगदान सबसे अधिक है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

7. पंपादुम शोला राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह केरल का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है, जो इडुक्की जिले में स्थित है।
2. यह पूर्वी घाटों के दक्षिणी सिरे पर अवस्थित है और दक्कन पठार संबंधी पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए, जो हाई सीज ट्रीटी, जिसे बायोडायवर्सिटी बियॉन्ड नेशनल जुरिस्डिक्शन (BBNJ) एग्रीमेंट भी कहा जाता है, से संबंधित हैं:

1. यह संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS) के तहत पहली कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे क्षेत्रों में समुद्री जैव विविधता का संरक्षण और सतत् उपयोग करना है।
2. भारत ने वर्ष 2024 में इस संधि पर हस्ताक्षर और अनुसमर्थन किया है, और दक्षिण एशिया में इसे लागू करने वाले शुरुआती देशों में से एक बन गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

9. 'इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक' रिपोर्ट, प्रतिवर्ष निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा प्रकाशित की जाती है?

(a) वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF)
(b) संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA)
(c) विश्व बैंक (World Bank)
(d) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)।

10. आर्य समाज और भारत में उसके सामाजिक एवं धार्मिक सुधारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आर्य समाज ने मूर्ति-पूजा का विरोध करते हुए वैदिक शिक्षाओं की शुद्धता की ओर लौटकर हिंदू धर्म में सुधार करने का लक्ष्य रखा।
2. इसने लाहौर में दयानंद एंग्लो वैदिक (DAV) कॉलेज जैसे शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की।
3. आर्य समाज के अंतर्गत आरंभ किया गया शुद्धि आंदोलन, अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और हिंदू धर्म में पुन: प्रवेश को हतोत्साहित करने हेतु था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

11. गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशालाओं और उनके स्थानों के बीच निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

वेधशाला		अवस्थिति
1. LIGO	–	संयुक्त राज्य अमेरिका
2. VIRGO	–	इटली
3. KAGRA	–	जापान
4. LIGO–इंडिया	–	गुजरात

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

12. यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) के संदर्भ में, निम्नलिखित शहर और उनके संबंधित क्षेत्र पर विचार कीजिए:

शहर		क्षेत्र
1. जयपुर	–	शिल्प और लोक कला
2. हैदराबाद	–	साहित्य
3. चेन्नई	–	संगीत
4. लखनऊ	–	पाक कला (गैस्ट्रोनॉमी)

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

13. वर्ष 2025 में पारित मिनामाटा कन्वेंशन ऑन मर्करी संशोधन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वर्ष 2025 में अपनाए गए इस संशोधन के तहत वर्ष 2034 तक पारा आधारित दंत अमलगम (Dental Amalgam) को वैश्विक स्तर पर चरणबद्ध रूप से समाप्त करना अनिवार्य किया गया है, ताकि पारे से होने वाले प्रदूषण और स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया जा सके।
2. दंत अमलगम में प्रयुक्त पारा मनुष्यों के लिए कोई महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न नहीं करता, क्योंकि यह अन्य धातुओं के साथ मिश्रित होने के बाद रासायनिक रूप से स्थिर और गैर-विषैला रूप धारण कर लेता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

14. बुकर पुरस्कार के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बुकर पुरस्कार का आयोजन और प्रदान बुकर प्राइज फाउंडेशन, जो यूनाइटेड किंगडम में स्थित एक पंजीकृत धर्मार्थ संस्था है, द्वारा किया जाता है।
2. यह पुरस्कार केवल उन उपन्यासों को प्रदान किया जाता है, जो मूल रूप से अंग्रेजी भाषा में लिखे गए हों और यूनाइटेड किंगडम या आयरलैंड में प्रकाशित हुए हों।
3. वर्ष 2025 का बुकर पुरस्कार ह्रार्ट लैंप को दिया गया, जिसे बानू मुश्ताक ने कन्नड़ से अनूदित किया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

15. जलवायु जोखिम सूचकांक (CRI) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा प्रकाशित किया जाता है, ताकि देशों की चरम मौसमी घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता का आकलन किया जा सके।
2. वर्ष 2026 के CRI के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत की चरम मौसम घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता पिछले वर्षों की तुलना में कम हुई है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

16. गीत 'आमार सोनार बांग्ला' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे रबींद्रनाथ टैगोर ने वर्ष 1905 में वंदे मातरम से प्रेरित होकर लिखा और संगीतबद्ध किया।
2. इस गीत का उपयोग लॉर्ड कर्जन द्वारा घोषित बंगाल विभाजन (वर्ष 1905) के विरोध के प्रतीक के रूप में किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

17. ज्वालामुखीय तड़ित (Volcanic Lightning) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ज्वालामुखीय तड़ित उन विद्युत निर्वहन को संदर्भित करती है, जो ज्वालामुखी विस्फोट के दौरान राख के कणों की आपसी रगड़ से उत्पन्न होती हैं।
2. इसकी तीव्रता नमी और बर्फ के निर्माण में वृद्धि के साथ बढ़ती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

18. बिहार के रामसर स्थलों के संदर्भ में, निम्नलिखित झीलों पर विचार कीजिए:

1. कँवर झील 2. नागी झील
3. मत्स्यगंधा झील 4. गोगाबील झील

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

अन्य पुस्तकें एवं कार्यक्रम

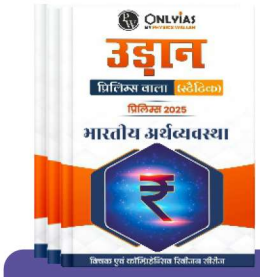

FREE MATERIAL

उड़ान
(प्रिलिम्स स्टैटिक रिवीज़न)

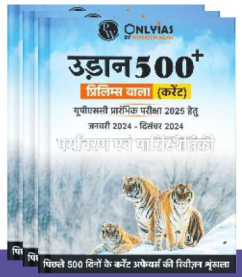

FREE MATERIAL

उड़ान 500 प्लस
(प्रिलिम्स समसामयिकी रिवीज़न)

BOOKS

सामान्य अध्ययन +
CSAT PYQs

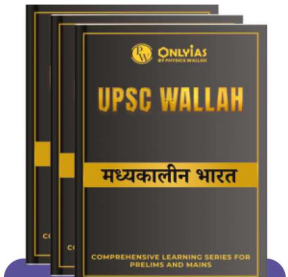

BOOKS

UPSC Wallah Books

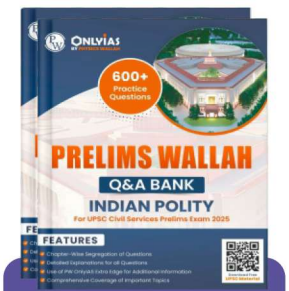

COMING SOON

प्रिलिम्स वाला प्रश्नोत्तर संग्रह

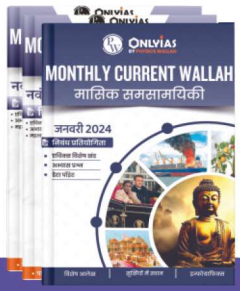

CURRENT AFFAIRS

मासिक समसामयिकी

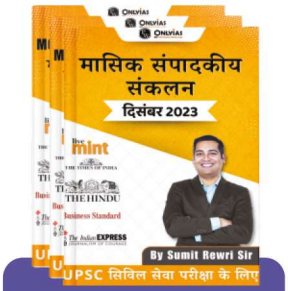

CURRENT AFFAIRS

मासिक संपादकीय संकलन

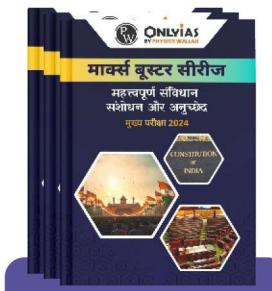

FREE MATERIAL

क्विक रिवीज़न बुकलेट

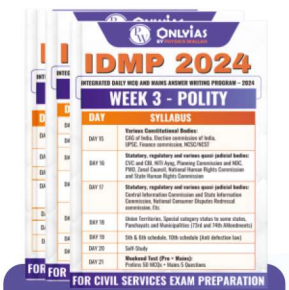

TEST SERIES

IDMP ईयर लॉन्ग टेस्ट

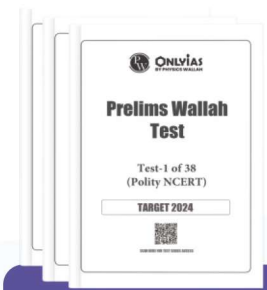

TEST SERIES

35+ प्रिलिम्स टेस्ट

TEST SERIES

25+ मेन्स टेस्ट

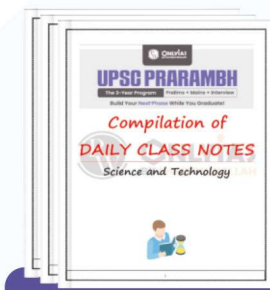

CLASSROOM CONTENT

डेली क्लास नोट्स और
अभ्यास प्रश्न

All Content Available in Hindi and English

₹ 99/-

ISBN 978-93-6034-282-1

Karol Bagh, Mukherjee Nagar, Prayagraj, Lucknow, Patna, Indore, Jaipur, Muzaffarpur, Chandigarh & Bengaluru